UNIVERSITY OF MUMBAI

REVISED SYLLABUS AND PATTERN OF

QUESTION PAPER IN THE

SUBJECT OF HINDI

AT THE

T.Y.B.A. EXAMINATION

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (C.B.C.S.)

(PAPER - IV, V, VI, VII, VIII, IX)

(With Effect From The Academic Year : 2021-2022)

Revised Syllabus and Pattern of Question Paper in the Subject of HINDI
At the T.Y.B.A. EXAMINATION Choice Based Credit System (C.B.C.S.)
(Paper - IV, V, VI, VII, VIII, IX)
(With effect from the Academic Year : 2021-2022)

हिन्दी अध्ययन मण्डल

अध्यक्ष : डॉ. अनिल सिंह

1. डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय (सदस्य)
2. डॉ. हूबनाथ पाण्डेय (सदस्य)
3. डॉ. विद्या शिंदे (सदस्य)
4. डॉ. शीला आहुजा (सदस्य)
5. डॉ. चित्रा गोस्वामी (सदस्य)
6. डॉ. संतोष मोटवानी (सदस्य)
7. डॉ. प्रकाश धुमाल (सदस्य)
8. डॉ. गौतम सोनकांबले (सदस्य)
9. डॉ. मोहसिन ख़ान (सदस्य)

पाठ्यक्रम समिति

समन्वयक : डॉ. मोहसिन ख़ान

1. डॉ. सतीश पाण्डेय (सदस्य)
2. डॉ. विद्या शिंदे (सदस्य)
3. डॉ. रेखा शर्मा (सदस्य)
4. डॉ. एल.आई. घोरपड़े (सदस्य)
5. डॉ. रमा सिंह (सदस्य)
6. प्रा. संतोष गायकवाड़ (सदस्य)
7. डॉ. रामदास तोंडे (सदस्य)
8. डॉ. संध्या गर्जे (सदस्य)

मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

पाठ्यक्रम का अभिप्राय, उद्देश्य, परिणाम, अध्यापन प्रणालियाँ

अभिप्राय एवं उद्देश्य– AIMS AND OBJECTIVES:

1. विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास का बोध कराते हुए हिन्दी साहित्य के इतिहास संबंधी साहित्य के विकासक्रम, प्रवृत्तियों एवं परिवेश का परिचय कराना।
2. विद्यार्थियों को हिन्दी की आधुनिककालीन गद्य–पद्य विधाओं की प्रसिद्ध, प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवन-शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना। आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराते हुए साहित्य के सामाजिक, मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण–चेतना को समृद्ध करना।
3. विद्यार्थियों को पारंपरिक भारतीय काव्यशास्त्र के मानदंडों से परिचय कराते हुए, साहित्य की विभिन्न विधाओं से अवगत कराना, साहित्य के काव्यशास्त्रीय नियमों की जानकारी प्रदान करना।
4. विद्यार्थियों को भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन के महत्व से अवगत कराते हुए भाषा विज्ञान की उपयोगिता तथा भाषा एवं लिपि-विज्ञान के विभिन्न अंगों का व्यावहारिक परिचय कराना।
5. जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में हिन्दी के प्रयोग, प्रसार से अवगत कराते हुए हिन्दी के माध्यम से रोज़गार की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष लाना।
6. सामाजिक परिवर्तन हेतु वैचारिक प्रसार को अवगत कराते हुए विविध नव्य सामाजिक वैचारिक आंदोलनों की पृष्ठभूमि,विविध विमर्शों को दर्शाना तथा साहित्य पर पड़े उनके प्रभावों से अवगत कराना।

परिणाम– OUTCOMES:

1. विद्यार्थी को हिन्दी साहित्य के इतिहास की व्यापक जानकारी प्राप्त होगी, साहित्य की अविरल धारा का परिचय प्राप्त होगा। हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं का व्यापक और क्रमबद्ध ज्ञान प्राप्त होगा।
2. विद्यार्थियों में साहित्य के माध्यम से कलात्मक गुणों की अभिवृद्धि होगी, कला की साहित्यिक विधाओं के प्रति अभिरुचि जागृत होगी तथा रचनात्मक–कौशल को बढ़ावा मिलेगा, साहित्य के समकालीन परिवेश से जुड़ सकेंगे, सामाजिक समस्याओं, पक्षों से अवगत होते हुए समाधान की ओर बढ़ सकेंगे।
3. विद्यार्थी जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में प्रयुक्त हिन्दी-देवनागरी लिपि के अध्ययन, प्रयोग से मीडिया, कोश निर्माण आदि क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे ।
4. विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की व्यापक जानकारी प्राप्त होने के साथ काव्यशास्त्रीय मानदंडों का ज्ञान प्राप्त होगा जिसके माध्यम से विद्यार्थी स्वयं साहित्य-रचना की प्रवृत्ति की ओर प्रेरित हो सकेगा।
5. विद्यार्थी भाषा के विविध रूप तथा भाषा परिवर्तन के कारणों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों से परिचित होते हुए उसकी उपयोगिता का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। विद्यार्थी हिन्दी-ध्वनियों के उच्चारण संबंधी तथा देवनागरी लिपि का वैज्ञानिक ज्ञान को प्राप्त कर सकेंगे।
6. विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के विकास के साथ नवीन सामाजिक, सांस्कृतिक बोध और जीवन मूल्यों का विकास होगा, जिससे विद्यार्थी अधिक उदार, चेतना-सम्पन्न तथा ज़िम्मेदार नागरिक बनेंगे।
7. विद्यार्थियों में नये वैश्विक–मूल्यों के प्रति सजगता को बढ़ावा मिलेगा एवं पर्यावरणीय चेतना के प्रति दायित्व–बोध उत्पन्न होगा।

अध्यापन प्रणालियाँ- TEACHING METHOD

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. दृश्य/ श्रव्य माध्यमों और संगणक का प्रयोग।
3. राजभाषा अधिकारियों/ जनसंचार माध्यमों से संलग्न व्यक्तियों के अतिथि व्याख्यान।
4. स्वाध्याय/ परियोजना।
5. शैक्षणिक भ्रमण।

NAME OF PROGRAM	T. Y. B. A. (C.B.C.S.) IV
NAME OF THE COURSE	T.Y.B.A. HINDI
SEMESTER	V
PAPER NAME	HISTORY OF HINDI LITERATURE हिंदी साहित्य का इतिहास
PAPER NO.	IV
COURSE CODE	UAHIN–501
LACTURE	60
CREDITS & MARKS	CREDITS - 4 & MARKS-100

हिंदी साहित्य का इतिहास

इकाई– I हिंदी साहित्य का इतिहास–

- हिंदी साहित्य का काल–विभाजन
- हिंदी साहित्य का नामकरण

इकाई– II आदिकाल–

- आदिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि
- सिद्ध, नाथ, जैन एवं रासो साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ

इकाई– III भक्तिकाल–

- भक्तिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि
- संत काव्य, सूफी काव्य, रामभक्ति काव्य, कृष्णभक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएँ

इकाई– IV रीतिकाल–

- रीतिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि
- रीतिबध्द, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृतियाँ

निर्धारित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की सूची–

1. हिंदी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन सर्वप्रथम किसने किया?
2. हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन का सबसे पहला प्रयास किसका था?
3. आ.रामचंद्र शुक्ल के इतिहास ग्रंथ का नाम क्या है?
4. आदिकाल को 'बीजवपन काल' किस विद्वान ने कहा है?
5. हिंदी साहित्य के प्रारम्भिक काल को 'आदिकाल' नाम किसने दिया?
6. रीतिकाल का 'श्रृंगार काल' नामकरण किसने किया है?
7. राहुल सांकृत्यायन हिंदी का पहला कवि किसे मानते हैं?
8. कवि स्वयंभू किस भाषा के कवि है?
9. किस कवि को 'मैथिल कोकिल' कहा गया है?
10. आदिकाल में खड़ीबोली को काव्य भाषा बनाने वाले प्रथम कवि कौन थे?
11. चौरासी सिध्दों में सबसे ऊँचा स्थान किसका है?
12. 'दोहाकोश' के रचयिता कौन हैं?
13. सिध्दों की भाषा को 'संधा–भाषा' किसने कहा है?
14. नाथ संप्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं?
15. नाथों की संख्या कितनी है?
16. 'हठयोग' किस संप्रदाय से संबंधित है?
17. 'उलटबासियाँ' किस साहित्य की एक प्रमुख विशेषता है?
18. जैन धर्म के प्रवर्तक कौन हैं?
19. प्रथम जैन कवि कौन है?
20. जैन साहित्य में कौन से ग्रंथ सबसे अधिक लोकप्रिय माने जाते हैं?
21. 'परमाल रासो' के रचयिता कौन हैं?
22. रासो काव्य परंपरा का सर्वश्रेष्ठ एवं प्रतिनिधि ग्रंथ कौन–सा है?
23. 'भरतेश्वर बाहुबली रास' के रचनाकार कौन है?
24. 'खुमान रासो' किसकी रचना है?
25. 'युद्धों का सजीव वर्णन' किस साहित्य की एक प्रमुख विशेषता है?
26. भक्तिकाल की दो काव्यधाराएँ कौन–सी हैं?
27. जाति–पाति के बंधनो का खुलकर विरोध किसने किया?
28. 'राजतरंगिणी' में किसका इतिहास वर्णित है?
29. रत्नसेन किस महाकाव्य का नायक है?
30. भक्ति की लहर का उद्भव कहाँ से हुआ था?
31. चैतन्य सम्प्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं?
32. आलवार भक्तों की संख्या कितनी है?
33. स्वामी हरिदास किस सम्प्रदाय के प्रवर्तक थे?
34. बहुदेववाद तथा अवतारवाद का विरोध किसने किया?

35. संतों का रहस्यवाद किससे प्रभावित है?
36. सुन्दरदास किसके शिष्य थे?
37. 'मृगावती' के रचयिता कौन हैं?
38. 'ज्ञानदीप' के रचनाकार का नाम लिखिए?
39. आईने अकबरी में सूफ़ियों के कितने सम्प्रदाय का उल्लेख है?
40. पद्मावत काव्य में राघव, चेतन को किस रूप में चित्रित किया गया है?
41. रामानंद के भक्त सम्प्रदाय का क्या नाम है?
42. तुलसीदास जी के गुरु का नाम क्या है?
43. हिन्दी साहित्य के किस काव्य में विराट समन्वय की भावना है?
44. तानसेन के गुरु का नाम क्या था?
45. पुष्टिमार्ग के प्रवर्तक कौन हैं?
46. 'हित चौरासी' रचना के रचयिता कौन हैं?
47. रीतिकाल को 'रीतिकाल' की संज्ञा किसने दी?
48. 'हित तरंगिणी' के रचयिता कौन हैं?
49. 'कविप्रिया' के रचनाकार कौन हैं?
50. रीतिकाल के अंतिम बड़े आचार्य कौन हैं?

51. आदिकाल को 'वीरगाथा काल' किस विद्वान ने कहा है?
i) आ. रामचंद्र शुक्ल ii) मिश्रबन्धु
iii) राहुल सांकृत्यायन iv) डॉ. रामकुमार वर्मा
52. गार्सा–द–तासी के हिंदी साहित्य के इतिहास की भाषा कौन–सी है?
i) फ्रेंच ii) हिंदी
iii) फ़ारसी iv) अरबी
53. आदिकाल का प्रमुख रस कौन–सा है?
i) श्रृंगार ii) वीर
iii) करुण iv) शांत
54. आदिकाल को 'वीर काल' नाम किसने दिया है?
i) आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी ii) जॉर्ज ग्रियर्सन
iii) विश्वनाथप्रसाद मिश्र iv) महावीरप्रसाद द्विवेदी
55. गार्सा–द–तासी की इतिहास लेखन परंपरा को आगे बढ़ाने का श्रेय किसे जाता है?
i) शिवसिंह सेंगर ii) जॉर्ज ग्रियर्सन
iii) आ. रामचंद्र शुक्ल iv) मिश्रबन्धु
56. जैन कवि शालीभद्र सूरि को हिन्दी का प्रथम कवि किसने माना है?
i) राजनाथ शर्मा ii) गणपतिचन्द्र गुप्त
iii) आचार्य शुक्ल iv) रामकुमार वर्मा

57. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास के लेखक कौन हैं?

i) डॉ. रामकुमार वर्मा ii) डॉ. नगेन्द्र

iii) डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त iv) शिवकुमार शर्मा

58. 'हिंदी साहित्य की भूमिका' पुस्तक के लेखक कौन है?

i) आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी ii) बच्चन सिंह

iii) राहुल सांकृत्यायन iv) मिश्रबन्धु

59. 'खालिकबारी' के रचयिता कौन हैं?

i) अमीर खुसरो ii) मुल्ला दाऊद

iii) चंदबरदाई iv) जगनिक

60. सिध्दों की संख्या कितनी मानी जाती है?

i) 80 ii) 82

iii) 84 iv) 89

61. नाथ पंथ के प्रवर्तक कौन हैं?

i) गोरखनाथ ii) मत्स्येन्द्रनाथ

iii) नागनाथ iv) आदिनाथ

62. कौन–सी शैली जैन रचनाओं की नहीं है?

i) रास ii) फागु

iii) चर्यापद iv) चरित

63. 'बीसलदेव रासो' के रचयिता कौन हैं?

i) नरपति नाल्ह ii) दलपति विजय

iii) हमीर हठ iv) चंदबरदाई

64. खुसरो की पहेलियों और मुकरियों की विशेषता क्या है?

i) श्रृंगार ii) परिहास

iii) उक्तिवैभिन्य iv) उक्तिवैचित्र्य

65. भक्ति आंदोलन मुस्लिम साम्राज्य के प्रभाव का परिणाम है।" इस मत को नहीं मानने वाले विद्वान कौन है?

i) ताराचन्द ii) आ. रामचन्द्र शुक्ल

iii) रामस्वरूप चतुर्वेदी iv) वल्लभाचार्य

66. उत्तरी भारत में भक्ति आंदोलन की त्रिमूर्ति कौन थे?

i) कबीर, नानक, दादू ii) कबीर, नानक , रैदास

iii) कबीर, रामानंद, रैदास iv) कबीर, रामानंद, शंकराचार्य

67. 'बीजक' किसकी प्रसिद्ध रचना है?

i) सूरदास ii) कबीर

iii) जायसी iv) दयाल

68. "संतन को कहा सीकरी सो काज" किसकी पंक्ति है?

i) कुंभनदास ii) नाभादास

iii) चतुर्भुजदास iv) तुलसीदास

69. नानक किस काव्यधारा के कवि हैं?

i) सूफ़ी काव्य ii) राम काव्य

iii) संत काव्य iv) कृष्ण काव्य

70."मानुष प्रेम भयउ बैकुंठी" किस कवि की पंक्ति है?

i) दादू दयाल ii) मुल्ला दाउद

iii) कुतुबन iv) जायसी

71. 'भ्रमरगीत' के रचयिता कौन हैं?

i) तुलसीदास ii) बिहारी

iii) सूरदास iv) कबीरदास

72. सैयद इब्राहिम ने कृष्णभक्ति के प्रभाववश अपना नाम रख लिया?

i) कृष्णदास ii) रामदास

iii) रसखान iv) प्रेमदास

73. 'पुष्टिमार्ग का जहाज' किस कवि को कहा गया है?

i) कबीरदास ii) तुलसीदास

iii) केशवदास iv) सूरदास

74. अकबर दरबार के किस सदस्य ने 'दोहावली' की रचना की?

i) बीरबल ii) रहीम

iii) तानसेन iv) बिहारी

75. नामदेव द्वारा लिखित सगुण पदों की भाषा क्या थी?

i) मराठी ii) अवधी

iii) ब्रजभाषा iv) संस्कृत

76. द्वैताद्वैतवाद दर्शन को मानने वाले आचार्य इनमें से कौन हैं?

i) रामानंद ii) मध्वाचार्य

iii) चैतन्य महाप्रभु iv) रामानुजाचार्य

77. निर्गुण भक्ति साहित्य को ज्ञानाश्रयी और प्रेमाश्रयी भागों में विभाजित करने वाले विद्वान कौन हैं?

i) डॉ. रामकुमार वर्मा ii) आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

iii) नामवर सिंह iv) आ. रामचंद्र शुक्ल

78. प्रेमाश्रयी शाखा को सूफ़ी काव्य कहने वाले विद्वान निम्नलिखित में से कौन है?

i) डॉ. रामकुमार वर्मा ii) आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

iii) आ. रामचंद्र शुक्ल iv) डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

79. वल्लभाचार्य ने किसकी उपासना पर बल दिया है?

i) श्रीराम ii) गणेश

iii) बालकृष्ण iv) विष्णु

80. वारकरी सम्प्रदाय की स्थापना किसने की?

i) नामदेव ii) कबीर

iii) संत ज्ञानेश्वर iv) सुंदरदास

81. 'चित्रावली' के रचयिता कौन हैं?

i) कुतुबन ii) जायसी

iii) उसमान iv) शेख नबी

82. 'महानुभाव सम्प्रदाय' की स्थापना किसने की है?

i) रामानंद ii) तुलसीदास

iii) श्रीचक्रधर स्वामी iv) स्वामी हरिदास

83. नाभदास की भक्तमाल में रामानंद के कितने शिष्य बताए गए हैं?

i) दस ii) बारह

iii) चौदह iv) सोलह

84. 'राधावल्लभ सम्प्रदाय' के प्रवर्तक कौन है?

i) स्वामी हरिदास ii) हितहरिवंश

iii) सूरदास iv) वल्लभाचार्य

85. किस काल को ब्रजभाषा का स्वर्ण युग कहा जाता है?

i) आदिकाल ii) भक्तिकाल

iii) रीतिकाल iv) आधुनिक काल

86. रीतिकाल को 'अलंकृतकाल' किसने कहा है?

i) डॉ. रामकुमार वर्मा ii) आ. रामचंद्र शुक्ल

iii) आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी iv) मिश्रबंधु

87. 'रसमंजरी' के रचयिता कौन हैं?

i) चिंतामणि ii) केशव

iii) भिखारीदास iv) मतिराम

88. आचार्य शुक्ल ने रीतिकाल का प्रवर्तक किसे माना है?

i) आचार्य चिंतामणि ii) कवि ग्वाल

iii) केशव iv) कृपाराम

89. 'रसराज' के रचयिता कौन है?

i) घनानंद ii) मतिराम

iii) बोधा iv) ठाकुर

90. घनानंद को अमर करने वाली रचना का नाम क्या है?

i) रसराज ii) सुजान हित

iii) कविप्रिया iv) ललित ललाम

91. रीतिमुक्त काव्यधारा का अंतिम कवि किसे माना जाता है?

i) चिंतामणि ii) द्विजदेव

iii) भूषण iv) केशव

92. 'ललित ललाम' किसकी रचना है?

i) घनानंद ii) मतिराम

iii) बोधा iv) आलम

93. 'साहित्य लहरी' में किसकी लीला का वर्णन है?

i) बालकृष्ण ii) राधा–कृष्ण

iii) कृष्ण iv) राम–सीता

94. "मैं तो समझती थी की वृन्दावन में कृष्ण के अतिरिक्त कोई दूसरा पुरुष है ही नहीं, पर अब पता चला यहाँ कोई दूसरा पुरुष भी रहता है।" यह वाक्य किसने कहा है?

i) राधा ii) रुक्मिणी

iii) मीरा iv) यशोदा

95. "निर्गुण कौन देस को बासी?" किसकी पंक्ति है?

i) सूरदास ii) कबीरदास

iii) तुलसीदास iv) मीराबाई

96. "बिगरी बात बने नहीं, लाख करो किन कोय।" पंक्ति के कवि कौन है?

i) बिहारी ii) रहीम

iii) आलम iv) मतिराम

97. रीतिमुक्त काव्य धारा के प्रमुख कवि इनमें से कौन है?

i) बिहारी ii) देव

iii) घनानंद iv) पद्माकर

98. 'रामचंद्रिका' के रचयिता का नाम क्या है?

i) तुलसीदास ii) भिखारीदास

iii) नाभादास iv) केशवदास

99. पद्माकर इनमें से किस काव्यधारा के कवि है?

i) रीतिबद्ध ii) रीतिसिद्ध

iii) रीतिमुक्त iv) सूफ़ी

100. स्वच्छंद प्रेम के गायक कौन हैं?

i) वृंद ii) आलम

iii) देव iv) मतिराम

नमूना प्रश्न पत्र

Semester – V | Course – IV

समय: 3:00 घंटे | पूर्णांक: 100

सूचना : 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. हिंदी साहित्य के इतिहास के काल–विभाजन पर विस्तार से प्रकाश डालिए। 20

अथवा

आदिकाल के नामकरण के संबंध में विभिन्न विद्वानों के मत स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. हिंदी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों का सामान्य परिचय दीजिए। 20

अथवा

नाथ साहित्य की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3. सूफ़ी काव्य की सामान्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

कृष्णभक्ति काव्य की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. रीतिकालीन साहित्य की परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

रीतिबध्द काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. क) किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 10

1. आ.रामचन्द्र शुक्ल का काल–विभाजन
2. सिध्द काव्य
3. संत काव्य
4. रीतिमुक्त काव्य

ख) वस्तुनिष्ठ प्रश्न– 05

1. आदिकाल को 'बीजवपन काल' किस विद्वान ने कहा है?
2. नाथ संप्रदाय के प्रवर्तक कौन हैं?
3. भक्तिकाल की दो काव्यधाराएँ कौन–सी हैं?
4. 'मृगावती' के रचियता कौन हैं?
5. रीतिकाल के अंतिम बड़े आचार्य कौन हैं?

ग) विकल्प प्रश्न– 05

1. आदिकाल को 'वीरगाथा काल' किस विद्वान ने कहा है?

i) आ. रामचंद्र शुक्ल ii) मिश्रबन्धु

iii) राहुल सांकृत्यायन iv) डॉ. रामकुमार वर्मा

2. 'ख़ालिकबारी' के रचयिता कौन हैं?

i) अमीर ख़ुसरो ii) मुल्ला दाऊद

iii) चंदबरदाई iv) जगनिक

3. नानक किस काव्यधारा के कवि हैं?

i) सूफ़ी काव्य ii) राम काव्य

iii) संत काव्य iv) कृष्ण काव्य

4. 'पुष्टिमार्ग का जहाज़' किस कवि को कहा गया है?

i) कबीरदास ii) तुलसीदास

iii) केशवदास iv) सूरदास

5. आचार्य शुक्ल ने रीतिकाल का प्रवर्तक किसे माना है?

i) आचार्य चिंतामणि ii) कवि ग्वाल

iii) केशव iv) कृपाराम

NAME OF PROGRAM	T. Y. B. A. (C.B.C.S.) IV
NAME OF THE COURSE	T.Y.B.A. HINDI
SEMESTER	VI
PAPER NAME	HISTORY OF MODERN HINDI LITERATURE आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
PAPER NO.	IV
COURSE CODE	UAHIN–601
LACTURE	60
CREDITS & MARKS	CREDITS- 4 & MARKS- 100

आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

इकाई– I (क) आधुनिक हिंदी कविता का विकास

- आधुनिक काल – हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय
- भारतेन्दु युग
- द्विवेदी युग
- छायावाद

इकाई– II

- प्रगतिवाद
- प्रयोगवाद
- नई कविता
- समकालीन कविता

इकाई– III (ख) आधुनिक हिंदी साहित्य की गद्य विधाओं का विकास–

- उपन्यास
- कहानी
- आलोचना

इकाई– IV

- आत्मकथा
- जीवनी
- संस्मरण

निर्धारित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की सूची–

1. 'कविवचन सुधा' मासिक पत्रिका के संपादक कौन थे?
2. भारतेन्दु युग को 'पुनर्जागरण काल' की संज्ञा किसने दी है?
3. "पपीहा जब पूछिहे पीव कहाँ" काव्य पंक्ति किस कवि की है?
4. 'सुकवि' की उपाधि भारतेन्दु युग के किस कवि को प्राप्त हुई थी?
5. सन् 1903 में 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक कौन बने?
6. 'यशोधरा' प्रबंध काव्य के रचनाकार कौन है?
7. आधुनिक काल में लिखा गया खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य कौन–सा है?
8. 'पुष्प की अभिलाषा' कविता के कवि कौन हैं?
9. 'कामायनी' में किस दर्शन की अभिव्यक्ति हुई है?
10. 'आधुनिक काल की मीरा' किसे कहा जाता है?
11. 'प्रकृति के सुकुमार कवि' किसे कहा गया है?
12. 'जूही की कली' कविता के रचनाकार कौन हैं?
13. 'मधुशाला' किसकी काव्य कृति है?
14. 'भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ' के लखनऊ में सम्पन्न पहले अधिवेशन के अध्यक्ष कौन थे?
15. 'क्रांति की भावना' किस कविता की एक प्रमुख विशेषता है?
16. 'प्रेत का बयान' किसकी कविता है?
17. 'आज देश की मिट्टी बोल उठी है' किस कवि की रचना है?
18. 'हरी घास पर क्षण भर' कविता के रचनाकार कौन है?
19. 'अँधेरे में' लंबी कविता किसने लिखी है?
20. 'संसद से सड़क तक' काव्य संग्रह किस कवि ने लिखा है?
21. हिंदी का प्रतिनिधि ग़ज़लकार किसे माना जाता है?
22. 'छन्दशती' के रचयिता कौन है?
23. 'मछलीघर' किसकी कृति है?
24. 'अपनी केवल धार' काव्य–संग्रह किसका है?
25. ' बाघ' कविता किस कवि ने लिखी है?
26. भारतेन्दु के नाटक 'प्रेम जोगनी' में किस प्रकार की समस्या है?
27. प्रसाद जी के नाटकों को दुखांत या सुखांत न कहकर क्या कहा गया?
28. हिंदी का प्रथम गीतिनाटक कौन–सा है?
29. 'स्वर्ग की झलक' नाटक के रचनाकार कौन हैं?
30. 'डॉक्टर' नाटक के लेखक कौन हैं?
31. 'बिना दीवारों का घर' नाटक के रचयिता कौन हैं?
32. गोपालराम गहमरी जी ने अधिकतर किस प्रकार के उपन्यास लिखे?
33. गहमरी के जासूसी उपन्यासों का आधार कौन–से उपन्यास थे?

34. 'आखिरी दाँव' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
35. 'अपने अपने अजनबी' उपन्यास पर किस दर्शन का प्रभाव है?
36. 'सोया हुआ जल' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
37. शैलेश मटियानी के 'छोटे–छोटे पक्षी' उपन्यास मे किस महानगर का चित्रण है?
38. 'साँप और सीढ़ी' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
39. सुरेंद्र तिवारी की 'वार्ड न. २' कहानी में किसका वर्णन है?
40. 'काला शुक्रवार' कहानी की लेखिका कौन हैं?
41. 'कवि और कविता' के निबंधकार कौन हैं?
42. 'मेरा चौदहवा जन्म दिवस' किस प्रकार का निबंध हैं?
43. 'अर्ध नारीश्वर' निबंध संग्रह के लेखक कौन हैं?
44. नंददुलारे वाजपेयी जी के निबंध अधिकतर किस प्रकार के हैं?
45. हिंदी साहित्य में किसे आलोचना सम्राट कहा जाता है?
46. आलोचना के क्षेत्र मे शुक्ल संस्थान के प्रथम मुख्य स्तंभ कौन हैं?
47. संस्मरण और रेखाचित्र की विधा को समृद्ध बनाने में किसका महत्वपूर्ण योगदान है?
48. पंत की जीवनी के रचनाकार हैं?
49. हिंदी की प्रथम आत्मकथा 'अर्द्धकथा' किसकी है?
50. हिंदी साहित्यकारों मे सर्वप्रथम किसने अपनी आत्मकथा लिखी?
51. आधुनिक हिंदी साहित्य का प्रवर्तक किसे माना जाता है?

i) प्रतापनारायण मिश्र ii) भारतेन्दु
iii) प्रेमघन iv) बालकृष्ण भट्ट

52. समस्यापूर्ति परक काव्य रचना किस युग की विशेषता है?

i) द्विवेदी युग ii) छायावाद
iii) भारतेन्दु युग iv) प्रगतिवाद

53. भारतेन्दु युग की एक निम्नलिखित विशेषता कौन–सी है?

i) देशभक्ति और राजभक्ति ii) आदर्शवाद
iii) इतिवृत्तात्मकता iv) वैयक्तिकता

54. 'साकेत' किसके जीवन पर आधारित है?

i) सीता ii) उर्मिला
iii) अहल्या iv) रूमा

55. 'जागरण या सुधार काल' नाम से किस युग को जाना जाता है?

i) भारतेन्दु ii) द्विवेदी
iii) प्रयोगवाद iv) प्रगतिवाद

56. निम्नलिखित में से कौन द्विवेदी युग के कवि है?

i) जयशंकर प्रसाद ii) अज्ञेय
iii) मैथिलीशरण गुप्त iv) निराला

57. निम्नलिखित में से कौन–सी रचना हरिऔध की है?

i) प्रिय प्रवास ii) साकेत

iii) लहर iv) उर्वशी

58. इनमें से कौन– सा कवि छायावादी है?

i) अज्ञेय ii) मुक्तिबोध

iii) धूमिल iv) जयशंकर प्रसाद

59. 'सरोज स्मृति' किसकी रचना है?

i) प्रसाद ii) निराला

iii) सुमित्रानंदन पंत iv) महादेवी वर्मा

60. 'मैं नीर भरी दुख की बदली' किसकी उक्ति है?

i) सुमित्रानंदन पंत ii) महादेवी वर्मा

iii) दिनकर iv) निराला

61. 'कामायनी' महाकाव्य किसने लिखा है?

i) नागार्जुन ii) जयशंकर प्रसाद

iii) नरेंद्र शर्मा iv) त्रिलोचन

62. निम्नलिखित में से छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषता कौन–सी है?

i) वैयक्तिकता ii) क्रांति का आह्वान

iii) क्षणवाद iv) शिल्प की नवीनता

63. प्रगतिवाद किस दर्शन से प्रभावित है?

i) अस्तित्ववाद ii) गाँधीवाद

iii) छायावाद iv) मार्क्सवाद

64. 'मूल्य–वृद्धि का सिद्धांत' किस विचारक का है?

i) रुसो ii) टॉलस्टॉय

iii) कार्ल मार्क्स iv) अरस्तू

65) इनमें से प्रगतिवाद की प्रमुख विशेषता क्या है?

i) व्यक्तिवाद ii) शोषकों प्रति घृणा

iii) सौंदर्य भावना iv) रहस्यवाद

66. निम्नलिखित में से कौन प्रगतिवादी कवि है?

i) महादेवी वर्मा ii) अज्ञेय

iii) दिनकर iv) हरिवंशराय बच्चन

67. 'कुकुरमुत्ता' कविता किस कवि की है?

i) नागार्जुन ii) श्रीकांत वर्मा

iii) मुक्तिबोध iv) निराला

68. प्रयोगवाद के प्रवर्तक कवि कौन है?

i) अज्ञेय ii) धूमिल

iii) रांगेय राघव iv) नरेश मेहता

69. प्रयोगवादी काव्यधारा का प्रारंभ किस पुस्तक के प्रकाशन से माना जाता है?

i) तार सप्तक ii) दूसरा सप्तक

iii) तीसरा सप्तक iv) चौथा सप्तक

70. प्रयोगवादी कविता कि निम्नलिखित कौन–सी प्रमुख विशेषता है?

i) लघु मानव ii) शिल्प की नवीनता

iii) नगर बोध iv) ग्राम बोध

71. निम्नलिखित में से कौन नई कविता का कवि हैं?

i) लक्ष्मीकांत वर्मा ii) नीरज

iii) देवेंद्र शर्मा iv) अंचल

72. 'लघु मानव बोध' यह किस कविता की विशेषता है?

i) छायावाद ii) नवगीत

iii) प्रगतिवाद iv) नई कविता

73. निम्नलिखित में से कौन–सी कविता मुक्तिबोध की है?

i) नदी के द्वीप ii) अंधेरे में

iii) जुही की कली iv) साँप

74. 'संसद से सड़क तक' किसका काव्य संग्रह है?

i) अज्ञेय ii) शमशेर

iii) शिवमंगलसिंह सुमन iv) धूमिल

75. मंगलेश डबराल किस काल की कविता से जुड़े हैं?

i) छायावाद ii) समकालीन कविता

iii) नई कविता iv) प्रयोगवाद

76. हिंदी का पहला उपन्यास किसे माना जाता है?

i) भाग्यवती ii) चंद्रकांता

iii) परीक्षा गुरु iv) नूतन ब्रह्मचारी

77. 'सिरकटी लाश' उपन्यास किसका है?

i) गोपाल राय ii) गोपालराम गहमरी

iii) मथुराप्रसाद शर्मा iv) गंगा प्रसादगुप्त

78. हिंदी उपन्यास सम्राट किसे कहा जाता है?

i) यशपाल ii) जयशंकर प्रसाद

iii) प्रेमचंद iv) अमृतलाल नागर

79. सूरदास के जीवन पर आधारित उपन्यास का नाम बताइए?

i) मानस का हंस ii) सेवासदन

iii) खंजन नयन iv) भाग्यवती

80. 'कफ़न' कहानी के कहानीकार कौन है?

i) जैनेंद्र ii) सुदर्शन

iii) प्रेमचंद iv) कमलेश्वर

81. इनमें से भीष्म साहनी की कहानी कौन–सी है?

i) चीफ़ की दावत ii) प्रतीक्षा

iii) मवाली iv) नीली झील

82. अमृतराय राय किस कहानी के प्रवर्तक है?

i) सक्रिय कहानी ii) अकहानी

iii) सहज कहानी iv) सचेतन कहानी

83. समांतर कहानी आंदोलन किसने चलाया?

i) महीप सिंह ii) कमलेश्वर

iii) दूधनाथ सिंह iv) अमरकांत

84. हिंदी का पहला नाटक किसे माना जाता है?

i) शकुंतला ii) रुक्मणी हरण

iii) चंडी चरित्र iv) नहुष

85) 'भारत दुर्दशा' किसका नाटक है?

i) भारतेन्दु ii) बालकृष्ण भट्ट

iii) राधाकृष्णदास iv) प्रतापनारायण मिश्र

86. इनमें से जयशंकर प्रसाद का नाटक कौन–सा है?

i) बाल विवाह ii) भारत सौभाग्य

iii) मालती माधव iv) चन्द्रगुप्त

87. वृंदावनलाल वर्मा ने किस प्रकार के नाटक लिखे हैं?

i) सामाजिक ii) पौराणिक

iii) ऐतिहासिक iv) प्रतीकवादी

88. हिंदी के प्रथम निबंधकार कौन है?

i) आ. रामचंद्र शुक्ल ii) प्रेमघन

iii) बाबू तोताराम iv) भारतेन्दु

89. 'चिन्तामणि' किसका निबंध संग्रह है?

i) आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी ii) आ. रामचंद्र शुक्ल

iii) सरदार पूर्णसिंह iv) मिश्रबन्धु

90. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' किसका प्रसिद्ध निबंध है?
i) डॉ. रामविलास शर्मा ii) रामधारीसिंह दिनकर
iii) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर iv) पं.विद्यानिवास मिश्र
91. इनमें से कौन ललित निबंधकार है?
i) कुबेरनाथ राय ii) धर्मवीर भारती
iii) ठाकुरप्रसाद सिंह iv) श्रीलाल शुक्ल
92. 'चीड़ों पर चाँदनी' यह किसका निबंध संग्रह है?
i) शिवप्रसाद सिंह ii) विष्णुकांत शास्त्री
iii) निर्मल वर्मा iv) विवेकी राय
93. हिंदी आलोचना का जनक किसे माना गया है?
i) आ. रामचंद्र शुक्ल ii) बालकृष्ण भट्ट
iii) भारतेन्दु iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी
94. तुलनात्मक आलोचना के जनक कौन है?
i) प्रेमघन ii) भारतेन्दु
iii) रामविलास शर्मा iv) पद्मसिंह शर्मा
95. हिंदी में वैज्ञानिक आलोचना का सूत्रपात किसने किया?
i) आ. रामचंद्र शुक्ल ii) महावीरप्रसाद द्विवेदी
iii) शिवदानसिंह चौहान iv) रामस्वरूप चतुर्वेदी
96. रीतिकाल की कविता को 'क्षयग्रस्त' किस आलोचक ने कहा है?
i) आ. शुक्ल ii) नंददुलारे वाजपेई
iii) निराला iv) डॉ. नगेन्द्र
97. 'सिंहावलोकन' किसकी आत्मकथा है?
i) सत्यदेव परिव्राजक ii) शांतिप्रिय द्विवेदी
iii) देवेंद्र सत्यार्थी iv) यशपाल
98. हिंदी में दलित आत्मकथा के सूत्रपात का श्रेय किसे जाता है?
i) मोहनदास नैमिशराय ii) ओमप्रकाश वाल्मीकि
iii) कौशल्या बैसंत्री iv) माताप्रसाद
99. 'कितने शहरों में कितनी बार' किसकी आत्मकथा है?
i) मैत्रेयी पुष्पा ii) रमणिका गुप्ता
iii) मन्नू भंडारी iv) ममता कालिया
100. 'आवारा मसीहा' जीवनी के लेखक कौन है?
i) विष्णु प्रभाकर ii) रामवृक्ष बेनीपुरी
iii) जैनेंद्र कुमार iv) कृष्ण बिहारी मिश्र

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेंद्र (संपादक), मयूर पेपरबैक, नई दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ.जयकिशन खंडेलवाल,विनोद पुस्तक मंदिर प्रकाशन,आगरा
5. हिंदी साहित्य युग और प्रवृत्तियाँ डॉ. – शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास– डॉ.रामकुमार वर्मा,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. विजयेन्द्र स्नातक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर
12. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. पूरनचंद टंडन, डॉ. विनिता कुमारी, जगतराम एण्ड सन्स प्रकाशन, नई दिल्ली
13. हिन्दी साहित्य की भूमिका, आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
14. हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. नगेंद्र और डॉ.हरदयाल,नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली
15. आधुनिक साहित्य – नंददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
16. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. नामवर सिंह,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
17. नई कविता के प्रतिमान – लक्ष्मीकांत वर्मा,भारती प्रेस प्रकाशन, इलाहाबाद
18. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
19.पद्मावत में जायसी की लोकदृष्टि– डॉ. चंद्रलाल वरियलदास अच्छरा,ज्ञान प्रकाशन,कानपुर
20. मालिक मुहम्मद जायसी– डॉ. शिव सहाय पाठक,साहित्य भवन,इलाहाबाद
21. संत साहित्य और समाज – डॉ. रमेशचन्द्र मिश्र,आर्य प्रकाशन मण्डल, दिल्ली
22. हिन्दी आलोचना का विकास –नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
23. इतिहास और साहित्य–डॉ. हूबनाथ पांडेय,विद्यापीठ प्रकाशन,मुंबई

नमूना प्रश्न पत्र

Semester – VI | Course – IV

समय : 3:00 घंटे | पूर्णांक : 100

सूचना : 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. आधुनिक काल की युगीन परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

भारतेन्दु युग की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 2. प्रगतिवादी कविता की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

नई कविता की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3. हिंदी उपन्यास के विकास–क्रम को स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

हिंदी आलोचना के विकास–क्रम को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 4. हिंदी जीवनी साहित्य के विकास–क्रम पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

हिंदी आत्मकथा साहित्य के विकास–क्रम का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 5. क) किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 10

1. द्विवेदी युगीन कविता
2. छायावादी काव्य
3. समकालीन कविता
4. हिंदी उपन्यास

ख) वस्तुनिष्ठ प्रश्न – 05

1. भारतेन्दु युग को 'पुनर्जागरण काल' की संज्ञा किसने दी है?
2. 'पुष्प की अभिलाषा' कविता के कवि कौन हैं?

3. 'क्रांति की भावना' किस कविता की एक प्रमुख विशेषता है?

4. 'स्वर्ग की झलक' नाटक के रचनाकार कौन हैं?

5. 'अर्ध नारीश्वर' निबंध संग्रह के लेखक कौन हैं?

ग) विकल्प प्रश्न– 05

1. आधुनिक हिंदी साहित्य का प्रवर्तक किसे माना जाता है?

i) प्रतापनारायण मिश्र ii) भारतेन्दु

iii) प्रेमघन iv) बालकृष्ण भट्ट

2. 'सरोज स्मृति' किसकी रचना है?

i) प्रसाद ii) निराला

iii) सुमित्रानंदन पंत iv) महादेवी वर्मा

3. इनमें से प्रगतिवाद की प्रमुख विशेषता क्या है?

i) व्यक्तिवाद ii) शोषकों प्रति घृणा

iii) सौंदर्य भावना iv) रहस्यवाद

4. प्रयोगवादी कविता कि निम्नलिखित कौन–सी प्रमुख विशेषता है?

i) लघु मानव ii) शिल्प की नवीनता

iii) नगर बोध iv) ग्राम बोध

5. इनमें से भीष्म साहनी की कहानी कौन–सी है?

i) चीफ़ की दावत ii) प्रतीक्षा

iii) मवाली iv) नीली झील

NAME OF PROGRAM	T. Y. B. A. (C.B.C.S.) V
NAME OF THE COURSE	T.Y.B.A. HINDI
SEMESTER	V
PAPER NAME	POST INDEPENDENCE HINDI LITERATURE स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य
PAPER NO.	V
COURSE CODE	UAHIN–502
LACTURE	60
CREDITS & MARKS	CREDITS - 4 & MARKS - 100

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य

इकाई– I

- नाटक : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास
- नाटक के तत्व एवं प्रकार

इकाई– II निर्धारित पाठ्य पुस्तक–

- काला पत्थर – (नाटक) : डॉ. सुरेश शुक्ल 'चन्द्र'
  अमन प्रकाशन, कानपुर

इकाई– III

- एकांकी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास
- नाटक और एकांकी में साम्य–वैषम्य

इकाई– IV निर्धारित पाठ्य पुस्तक–

- एकांकी–सुमन (एकांकी–संग्रह) **संपादन:** हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय,मुंबई,
  वाणी प्रकाशन 4695, 21-ए ,दरियागंज,नई दिल्ली

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित एकांकी–

- दीपदान – रामकुमार वर्मा
- और वह जा न सकी – विष्णु 'प्रभाकर'
- बहू की विदा – विनोद रस्तोगी
- रात के राही – ब्रज भूषण
- जान से प्यारे – ममता कालिया
- अन्वेषक – प्रताप सहगल
- नो एडमिशन – संजीव निगम

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. हिंदी नाटक के पांच दशक – कुसुम खेमानी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. हिंदी नाटक कल और आज – केदार सिंह, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स, दिल्ली
3. आधुनिक हिंदी नाटक – गिरीश रस्तोगी, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
4. हिंदी नाटक और रंगमंच: नई दिशाएं, नए प्रश्न, – गिरीश रस्तोगी,अभिव्यक्ति प्रकाशन,इलाहाबाद
5. आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श – जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. हिंदी नाटककार – जयनाथ नलिन, आत्माराम एंड संस, दिल्ली
7. नाट्य निबंध – दशरथ ओझा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
8. हिंदी नाटक बदलते आयाम – नरेंद्रनाथ त्रिपाठी, विक्रम प्रकाशन, दिल्ली
9. आधुनिक हिंदी नाटककारों के नाटक सिद्धांत – निर्मला हेमंत, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली
10. रंगदर्शन – नेमीचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
11. हिंदी नाटक – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाश, दिल्ली
12. स्वातंत्र्योत्तर नाटक:मूल्य संक्रमण–जोतीश्वर मिश्र,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
13. आधुनिक हिंदी नाटक– बनवीर प्रसाद शर्मा, अनग प्रकाशन, दिल्ली
14. नाटक : विवेचना और दृष्टि – डॉ. मोहसिन ख़ान–अमन प्रकाशन, कानपुर
15. भारतीय नाट्य शास्त्र और रंगमंच– रामसागर त्रिपाठी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
16. हिन्दी एकांकी –सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
17. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र –देवेंद्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
18. हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष– गिरीश रस्तोगी,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
19. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटकों में शोषण के विविध रूप– डॉ. सुरेश तायड़े,शैलजा प्रकाशन,कानपुर
20. समकालीन हिन्दी नाटक : समय और संवेदना–डॉ. नवीन नन्दवाना,अमन प्रकाशन,कानपुर
21. विवेचनात्मक निबंध–डॉ. शकीला खानम,शैलजा प्रकाशन,कानपुर
22. समकालीन एकांकी : संवेदना एवं शिल्प–डॉ. रंजना वर्दे,शैलजा प्रकाशन,कानपुर
23. डॉ. सुरेश शुक्ल 'चन्द्र' की रंगयात्रा–डॉ. लवकुमार लवलीन,शैलजा प्रकाशन,कानपुर
24. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक संवेदना और शिल्प– डॉ. श्यामसुंदर पांडेय,अमन प्रकाशन,कानपुर
24. हिन्दी नाटक के पाँच दशक–कुसुम खेमनी,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
25.एकांकी मंच–डॉ. वी. पी. 'अमिताभ',जवाहर पुस्तकालय,मथुरा
26. मानक एकांकी–सं. डॉ. बच्चन सिंह,भूमिका प्रकाशन,नई दिल्ली
27. नाट्य-विमर्श –सं.जयदेव तनेजा,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
28. रंग-अरंग –हृषिकेश सुलभ,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली

नमूना प्रश्न पत्र

Semester – V | Course – V

समय : 3:00 घंटे | पूर्णांक : 100

सूचना : 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1. नाटक का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसका विकास क्रम लिखिए। 20

अथवा

नाटक और एकांकी में साम्य–वैषम्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

क) "पाँच वर्ष से, जबसे मेरा गौना हुआ है, में इस शराबी आदमी के अत्याचार सह रही हूँ। यह हर तरह मुझे प्रताड़ित करता है। इसने मेरा ज़ेवर, घर, बर्तन, सब कुछ शराब की भेंट चढ़ा दिया।" 20

अथवा

"लेकिन राज़ीनामा के सारे काग़ज़ात, दस्तख़त करके मेरे बापू के हवाले कर दिये जाएँ। तलाक़ मंज़ूरी और बापू के कर्ज़ माफ़ी के काग़ज़ात पहले देने होंगे।"

ख) "चली गई। कहती है, ऐसा मैं नहीं सुन सकूँगी। जो मुझे करना है, वह सामली सुन भी न सकेगी। भवानी! तुमने मेरे हृदय को कैसा कर दिया।" 20

अथवा

"मैंने आज सुबह अख़बार में आप द्वारा दिया शोक समाचार पढ़ा तो मैं हिल उठा। मैं आपके लिए जीवन का नया संदेश लाया हूँ।"

प्रश्न 3. पुनिया का चरित्र-चित्रण स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

'काला पत्थर' नाटक की कथा विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. 'बहू की विदा' एकांकी के चरित्र–चित्रण कीजिए। 20

अथवा

'रात के राही' एकांकी की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 20

क) पन्ना ख) आर्यभट्ट

ग) डॉ. कौशिक का आविष्कार घ) 'नो एडमिशन' की रेखा

NAME OF PROGRAM	T. Y. B. A. (C.B.C.S.) VI
NAME OF THE COURSE	T.Y.B.A. HINDI
SEMESTER	VI
PAPER NAME	POST INDEPENDENCE HINDI LITERATURE स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य
PAPER NO.	V
COURSE CODE	UAHIN–602
LACTURE	60
CREDITS & MARKS	CREDITS - 4 & MARKS -100

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य

इकाई- I

- कविता : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- स्वातंत्र्योत्तर कविता : संवेदना और शिल्प

इकाई- II **निर्धारित पाठ्य पुस्तक-**

- काव्य–सौरभ (कविता-संग्रह)-**संपादन:** हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय,मुंबई, राजकमल प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित कविताएँ–

- यात्री – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- उनको प्रणाम – नागार्जुन
- नया कवि – गिरिजाकुमार माथुर
- प्रमथ्यु गाथा – धर्मवीर भारती
- इस तरह तो – बालस्वरूप 'राही'
- पानी में घिरे हुए लोग – केदारनाथ सिंह
- थोड़े-से बच्चे और बाक़ी बच्चे – चंद्रकांत देवताले
- सिलसिला – सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'
- रात किसी का घर नहीं – राजेश जोशी
- चुप्पी टूटेगी – ओमप्रकाश वाल्मीकि
- बाज़ारे-नुमाइश में – दीक्षित दनकौरी
- बूढ़ी पृथ्वी का दुख – निर्मला पुतुल

इकाई- III

- निबंध : अर्थ, परिभाषा,भेद और तत्त्व
- हिन्दी निबंध साहित्य का विकास

इकाई- IV निर्धारित पाठ्य पुस्तक–

- निबंध–विविधा (निबंध–संग्रह)– **संपादन:** हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय,मुंबई, नयी किताब प्रकाशन,दरियागंज,नई दिल्ली

पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित निबंध–

- बाज़ार-दर्शन – जैनेन्द्र कुमार
- पाप के चार हथियार – कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
- मनुष्य की सर्वोत्तम कृति-साहित्य – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिम्मत और ज़िंदगी – रामधारी सिंह 'दिनकर'
- अगर मुल्क में अख़बार न हो – नामवर सिंह
- रसायन और हमारा पर्यावरण – डॉ. एन. एल. रामनाथन
- आँगन का पंछी – विद्यानिवास मिश्र
- पाँत का आख़िरी आदमी – कुबेरनाथ राय
- मनुष्य और ठग – प्रेम जमेजय
- ओ वसंत तुम्हें मनुहारता कचनार – श्रीराम परिहार

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. साहित्यिक निबंध – गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार – ज्योतीश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. हिन्दी–निबंधकर – जयनाथ नलिन, आत्माराम एंड संज, दिल्ली
7. हिन्दी कविता का अतीत और वर्तमान – मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. स्त्री कविता पहचान और द्वंद्व – रेखा सेठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. आज की कविता –विनय विश्वास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. समकालीन कविता : सृजन और संदर्भ–डॉ. सतीश पांडेय, शैलजा प्रकाशन,कानपुर
11.हिन्दी साहित्य : संवेदना के धरातल–सं. डॉ.अनिल सिंह,सीमा प्रकाशन,परभणी
12.चंद्रकांत देवताले की कविताओं में युगबोध –डॉ. गजानन भोसले,अमन प्रकाशन,कानपुर
13.आधुनिक कविता का पुनर्पाठ-डॉ.करुणाशंकर उपाध्याय
14.जनकवि नागार्जुन एवं प्रयोगवदी कवि –डॉ.वीणा दाढ़े,अमन प्रकाशन,कानपुर
15.ललित निबंध : स्वरूप एवं परंपरा –डॉ. श्रीराम परिहार,किताब घर प्रकाशन,नई दिल्ली
16.हजारीप्रसाद द्विवेदी : समग्र पुनर्वालोकन–चौथीराम यादव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
17.समकालीन नवगीत का विकास –डॉ. राजेश सिंह,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. समकालीन लेखन और आधुनिक संवेदना –कल्पना वर्मा,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
19. धूमिल और उनका काव्य –संघर्ष–ब्रम्ह्देव मिश्र,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
20. नागार्जुन : अंतरंग और सृजन–कर्म- सं. मुरली मनोहर प्रसाद सिंह ,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
21. हिन्दी कविता का वर्तमान परिदृश्य–डॉ. हरि शर्मा,प्रकाशन संस्थान,नई दिल्ली
22. कविता का शहर–राजेश जोशी,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
23. कविता की जमीन और जमीन की कविता– डॉ. नामवर सिंह,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
24. कविता के नए प्रतिमान– डॉ. नामवर सिंह,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
25.नागार्जुन और उनकी कविता– नंदकिशोर नवल,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
26.आधुनिक साहित्य मूल्य और मूल्यांकन–डॉ.अनिल कुमार सिंह,साहित्यभूमि,प्रकाशन,नई दिल्ली
27. हिन्दी-उर्दू कविता संदर्भ और प्रकृति–डॉ. एम.एच.सिद्दीकी,ज्ञान प्रकाशन,कानपुर
28. ललित निबंध विधा की बात–डॉ. हूबनाथ पांडेय,अनभै प्रकाशन,मुंबई
29. ललित निबंधकार कुबेरनाथ राय–डॉ. हूबनाथ पांडेय,अनभै प्रकाशन,मुंबई
30. कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'–डॉ. जयप्रकाश नारायण सिंह,साहित्य रत्नाकर,कानपुर
31. हिन्दी गजल के नवरत्न–मधु खराटे,साहित्य रत्नाकर,कानपुर
32. केदारनाथ सिंह का काव्य लोक–डॉ.शेरपाल सिंह,साहित्य रत्नाकर,कानपुर

नमूना प्रश्न पत्र

Semester – VI | Course – V

समय : 3:00 घंटे | पूर्णांक : 100

सूचना : 1. अंतिम प्रश्न अनिवार्य है।

2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1. स्वातंत्र्योत्तर कविता की संवेदना पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

स्वातंत्र्योत्तर निबंध साहित्य का विकास स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 20

क) "पग-पग पर तीर्थ है,
मंदिर भी बहुतेरे हैं;
तू जितनी करे परिकम्मा, जितने लगा फेरे
मंदिर से, तीर्थ से, यात्रा से।"

अथवा

क्या होती है, तुम्हारे भीतर धमस
कटकर गिरता है जब कोई पेड़ धरती पर ?
सुना है कभी
रात के सन्नाटे में अंधेरे से मुँह ढाँप
किस कदर रोती हैं नदियाँ ?

ख) "मैंने मन में कहा ठीक। बाज़ार आमंत्रित करता है कि आओ मुझे लूटो और लूटो। सब भूल जाओ, मुझे देखो।" 20

अथवा

"ताबड़तोड़ हरियाली लाने के लिए वानस्पतिक संसार के दावेदारों ने पोची हरीतिमा वाली जड़ों का पोषण शुरू कर दिया।"

प्रश्न 3. 'थोड़े-से बच्चे और बाक़ी बच्चे' कविता की संवेदनाएँ स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

'रात किसी का घर नहीं' कविता की मूलसंवेदना स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4. 'आँगन का पंछी' निबंध का भाव-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

'पाप के चार हथियार' निबंध का संदेश स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 20

क) 'चुप्पी टूटेगी' कविता की मूल संवेदना ख) 'नया कवि'कविता का भाव

ग) 'मनुष्य और ठग'का आशय घ) 'रसायन और हमारा पर्यावरण'निबंध का उद्देश्य

NAME OF PROGRAM	T. Y. B. A. (C.B.C.S.) VI
NAME OF THE COURSE	T.Y.B.A. HINDI
SEMESTER	V
PAPER NAME	INFORMATION TECHNOLOGY IN HINDI हिन्दी में सूचना प्रौद्योगिकी
PAPER NO.	VI
COURSE CODE	UAHIN–503
LACTURE	45
CREDITS & MARKS	CREDITS - 4 & MARKS - 80

हिन्दी में सूचना प्रौद्योगिकी

इकाई– I

- सूचना प्रौद्योगिकी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और विकास
- सूचना प्रौद्योगिकी : समस्याएँ ,सीमाएँ और चुनौतियाँ
- सूचना प्रौद्योगिकी : सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव

इकाई– II

- सूचना प्रौद्योगिकी का व्यवहार क्षेत्र : समान्य परिचय
- सूचना प्रौद्योगिकी का जनसंचार के क्षेत्र में योगदान और महत्व (हिन्दी पत्रकारिता: प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संदर्भ में)
- सूचना प्रौद्योगिकी : शिक्षा के क्षेत्र में उपादेयता

इकाई–III

- सूचना प्रौद्योगिकी : हिन्दी भाषा और देवनगीरी लिपि का वैश्विक प्रयोग
- सूचना प्रौद्योगिकी : हिन्दी सॉफ़्टवेयर परिचय, अनुप्रयोग और महत्व
- सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि के वैश्विक प्रसार में विविध संस्थानों की भूमिका/योगदान (राजभाषा विभाग, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान,आगरा, सी–डैक पुणे, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान)

इकाई– IV

- इन्टरनेट और हिन्दी (यूनिकोड फॉण्ट परिवर्तक, देवनागरी लिपि टाइपिंग टूल, हिन्दी में ईमेल, नेट पर हिन्दी विज्ञापन, हिन्दी की साहित्यिक ई–पत्रिकाएँ, हिन्दी ब्लॉग)
- भारत में डिजिटलाइज़ेशन और हिन्दी
- सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी आधारित रोजगार की संभावनाएँ

सूचना: प्रकल्प –20 अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
2. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. कंप्यूटर और हिन्दी – हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
4. पत्रकारिता से मीडिया तक – मनोज कुमार, वैभव प्रकाशन, रायपुर
5. जनसंचार परिदृश्य – डॉ. नीलम राठी, रजनी राठी, उत्कर्ष प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. पी. लता, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी – रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
8. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन,दिल्ली
10. वर्चुअल रियलिटी और इन्टरनेट – जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली
11. मीडिया भूमंडलीकरण और समाज – संपादक : संजय द्विवेदी, यश पब्लिकेशन, दिल्ली
12. वैश्विक परिदृश्य में साहित्य,मीडिया और समाज: सं. डॉ.उमापति दीक्षित,डॉ .अनिल सिंह, कला एवं धर्म शोध – संस्थान,वाराणसी
13. जनसंचार और मीडिया लेखन – डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
14. अनुवाद का समकाल – डॉ. मोहसिन ख़ान, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
15. हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य –रामअवतार शर्मा, नमन प्रकाशन, दिल्ली
17. भूमंडलीकरण और हिन्दी–कल्पना वर्मा,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
18. इंटरनेट विज्ञान –नीता मेहता,साहित्य रत्नाकर,कानपुर
19. इलेक्ट्रॉनिक्स मीडिया एवं सूचना प्रौद्योगिकी–डॉ. यू. सी.गुप्ता,साहित्य रत्नाकर,कानपुर
20. संचार भाषा हिन्दी –डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
21. समकालीन साहित्य और भूमंडलीकरण – सं.डॉ.अनिल सिंह,न्यूमैन पब्लिकेशन,मुंबई
21. सूचना प्रौद्योगिकी और जन-माध्यम – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

नमूना प्रश्न पत्र

Semester – V | Course – IV

समय : 2:30 घंटे | पूर्णांक : 80

सूचना : 1. अंतिम प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए।
3. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1. सूचना प्रौद्योगिकी का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

सूचना प्रौद्योगिकी की उपयोगिता और महत्व को दर्शाएँ।

प्रश्न 2. सूचना प्रौद्योगिकी का व्यवहार क्षेत्र सामान्य परिचय की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

सूचना प्रौद्योगिकी का शिक्षा के क्षेत्र में योगदान और उपादेयता स्पष्ट करें।

प्रश्न 3. सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी भाषा के प्रसार एवं प्रयोग पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

हिन्दी भाषा, देवनागरी लिपि के प्रसार क्षेत्र में विविध संस्थानों की भूमिका दर्शाएँ।

प्रश्न 4. भारत में डिज़िटलाइजेशन के विकास को बताते हुए उसकी उपयोगिता सिद्ध करें। 20

अथवा

हिन्दी में सूचना प्रौद्योगिकी विविध क्षेत्रों में रोज़गार की संभावनाओं को स्पष्ट करें।

प्रश्न 5 किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए। 20

क) सूचना प्रौद्योगिकी की समस्याएँ

ख) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

ग) हिन्दी सॉफ़्टवेयर परिचय

घ) देवनागरी लिपि टाइपिंग टूल

NAME OF PROGRAM	T. Y. B. A. (C.B.C.S.) VI
NAME OF THE COURSE	T.Y.B.A. HINDI
SEMESTER	VI
PAPER NAME	SOCIAL MEDIA सोशल मीडिया
PAPER NO.	VI
COURSE CODE	UAHIN–603
LACTURE	45
CREDITS & MARKS	CREDITS – 4 & MARKS - 80

सोशल मीडिया

इकाई– I

- सोशल मीडिया: अर्थ, स्वरूप और विकास
- सोशल मीडिया का व्यवहार क्षेत्र और महत्व
- सोशल मीडिया: चुनौतियाँ और संभावनाएँ

इकाई– II

- सोशल मीडिया में हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि का प्रयोग तथा हिन्दी का बदलता रूप (फ़ेसबुक, व्हाट्सअप, ट्विटर, मैसेन्जर, इन्स्टाग्राम, यूट्यूब)
- सोशल मीडिया: शिक्षा के क्षेत्र में उपादेयता
- सोशल मीडिया: हिन्दी का प्रयोग और रोज़गार की संभावनाएँ

इकाई– III

- सोशल मीडिया के प्रभाव(राजनीतिक,सामाजिक,आर्थिक, धार्मिक और सांस्कृतिक,)
- सोशल मीडिया: बदलता भारतीय परिवेश (बाल, युवाओं, महिलाओं और वृद्धों के संदर्भ में)
- सोशल मीडिया का जीवन – मूल्यों पर प्रभाव

इकाई– IV

- सोशल मीडिया और क़ानून
- सोशल मीडिया और मुक्त अभिव्यक्ति तथा दायित्वबोध
- सोशल मीडिया की वैश्विक-व्याप्ति

सूचना: प्रकल्प – 20 अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद – संपादक: संजय द्विवेदी, यश पब्लिकेशन्स, दिल्ली
2. नए ज़माने की पत्रकारिता – सौरभ शुक्ला, विस्डम विलेज पब्लिकेशन्स, गुड़गांव एवं दिल्ली
4. उत्तरआधुनिक मीडिया तकनीक – हर्षदेव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. नयी संचार प्रौद्योगिकी पत्रकारिता – कृष्ण कुमार रत्तू, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी
6. कम्प्युटरी सूचना प्रणाली का विकास – राम बंसल,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. जनसंचारिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ.रामलखन मीणा, कल्पना पब्लिशर, दिल्ली
8. भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया – मधुकर लेले, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग – विष्णु राजगढ़िया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. संचार माध्यम लेखन – गौरीशंकर रैना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. जनसंचार माध्यमों में हिंदी – चंद्रकुमार, क्लासिक पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली
12. आधुनिक जनसंचार और हिंदी – डॉ. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली
13. मीडिया समग्र – डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. सोशल मीडिया के विविध आयाम – सं. डॉ. मोहम्मद फरियाद, स्वराज प्रकाशन,नई दिल्ली
15.सोशल मीडिया– योगेश पटेल,पुस्तक महल,नई दिल्ली

नमूना प्रश्न पत्र

Semester – VI | Course – IV

समय : 2:30 घंटे | पूर्णांक : 80

सूचना : 1. अंतिम प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए।
3. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न1. सोशल मीडिया के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके विकास को समझाइए। 20

अथवा

सोशल मीडिया की समस्याएँ, चुनौतियाँ, सीमाएँ और संभावनाएँ पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2. सोशल मीडिया की शिक्षा के क्षेत्र में उपादेयता और संभावनाएँ स्पष्ट करें। 20

अथवा

सोशल मीडिया में हिन्दी का प्रयोग और रोज़गार की संभावनाएँ दर्शाएँ।

प्रश्न 3. सोशल मीडिया का बच्चों एवं युवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

सोशल मीडिया और बदलते जीवन मूल्य को स्पष्ट करें।

प्रश्न 4. सोशल मीडिया में मुक्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अपने विचार प्रकट कीजिए। 20

अथवा

सोशल मीडिया में कानून की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 20

क) सोशल मीडिया का महत्व
ख) एफ.एम.रेडियो और हिन्दी
ग) सोशल मीडिया और राजनीतिक प्रभाव
घ) सोशल मीडिया और वैश्विक परिवर्तन

NAME OF PROGRAM	T. Y. B. A. (C.B.C.S.) VII
NAME OF THE COURSE	T.Y.B.A. HINDI
SEMESTER	V
PAPER NAME	LITERARY CRITICISM : PROSODY & RHETORICS साहित्य समीक्षा : छंद एवं अलंकार
PAPER NO.	VII
COURSE CODE	UAHIN–504
LACTURE	60
CREDITS & MARKS	CREDITS - 4 & MARKS -100

साहित्य समीक्षा : स्वरूप एवं सामान्य परिचय

इकाई– I समीक्षा–

- साहित्य: स्वरूप और परिभाषा (भारतीय एवं पाश्चात्य)
- साहित्य के तत्व
- साहित्य के हेतु
- साहित्य के प्रयोजन (भारतीय एवं पाश्चात्य)

इकाई– II कला–

- स्वरूप और परिभाषा
- कलाओं का वर्गीकरण
- काव्य कला की श्रेष्ठता
- कला और साहित्य का संबंध

इकाई– III काव्य के रूप–

- महाकाव्य: भारतीय एवं पाश्चात्य मान्यताओं का परिचय
- खंडकाव्य: स्वरूप और विशेषताएँ
- मुक्तक काव्य: स्वरूप और विशेषताएँ
- गीतिकाव्य: स्वरूप और विशेषताएँ
- ग़ज़ल : स्वरूप और विशेषताएँ

इकाई– IV छंद : सामान्य परिचय, लक्षण एवं उदाहरण–

- मात्रिक छंद:– 1. चौपाई 2. रोला 3. दोहा 4. हरिगीतिका 5. उल्लाला 6. ताटंक 7. सोरठा 8. कुंडलिया
- वर्णिक छंद:– 1. इंद्रवज्रा 2. उपेंद्रवज्रा 3. द्रुतविलंबित 4. वंशस्थ 5. भुजंगी 6. तोटक 7. वसंततिलका 8. घनाक्षरी

नमूना प्रश्न पत्र

Semester – V | Course –VII

अवधि : 03:00 घंटे | पूर्णांक : 100

सूचना : 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. साहित्य के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके तत्वों पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

साहित्य की परिभाषा देते हुए उसके भारतीय प्रयोजनों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. कला की परिभाषा देते हुए काव्य कला की श्रेष्ठता स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

कला और साहित्य के संबंध को समझाइए।

प्रश्न 3. महाकाव्य संबंधी भारतीय मान्यताओं का परिचय दीजिए। 20

अथवा

मुक्तक काव्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4. रोला तथा तोटक छंदों का लक्षण तथा उदाहरण सहित सामान्य परिचय दीजिए। 20

अथवा

भुजंगी तथा वंशस्थ छंदों का लक्षण तथा उदाहरण सहित सामान्य परिचय दीजिए।

प्रश्न 5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 20

क) साहित्य के हेतु

ख) कलाओं का वर्गीकरण

ग) गीतिकाव्य की विशेषताएँ

घ) घनाक्षरी छंद लक्षण एवं उदाहरण

NAME OF PROGRAM	T. Y. B. A. (C.B.C.S.) VII
NAME OF THE COURSE	T.Y.B.A. HINDI
SEMESTER	VI
PAPER NAME	LITERARY CRITICISM:PROSODY & RHETORICS, साहित्य समीक्षा : छंद एवं अलंकार
PAPER NO.	VII
COURSE CODE	UAHIN–604
LACTURE	60
CREDITS & MARKS	CREDITS - 4 & MARKS - 100

साहित्य समीक्षा

इकाई– I शब्द शक्ति–

- शब्द शक्ति : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
- शब्द शक्ति के प्रकार : (अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना का सामान्य परिचय)

इकाई– II रस–

- रस : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- रस के अवयव
- रस के भेद : सामान्य परिचय

इकाई– III गद्य के विविध रूप–

- उपन्यास : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रमुख तत्व
- कहानी : परिभाषा, स्वरूप एवं प्रमुख तत्व
- रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी और आत्मकथा का तात्विक विवेचन

इकाई– IV अलंकार सामान्य परिचय, लक्षण एवं उदाहरण–

- शब्दालंकार:– 1. अनुप्रास 2. यमक 3. श्लेष 4. वक्रोक्ति
  5. वीप्सा 6. पुनरुक्ति प्रकाश
- अर्थालंकार:– 1. उपमा 2. रूपक 3. अतिशयोक्ति 4. उत्प्रेक्षा
  5. विभावना 6. प्रतीप 7. दीपक 8. संदेह 9. विरोधाभास

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. रस सिद्धांत – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, एडिशन
2. काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
3. भारतीय काव्यशास्त्र : नई व्याख्या – डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद
4. हिंदी साहित्य समीक्षा – श्रीमूर्ति सुब्रह्मराय, हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग
5. साहित्य समीक्षा – रामरतन भटनागर, किताब महल, इलाहाबाद
6. साहित्य समीक्षा – कालिदास कपूर, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग
7. कला की ज़रूरत – राजकमल प्रकाशन–अन्सर्ट फिशर, अनुवाद – रमेश उपाध्याय
8. हिंदी का गद्य पर्व – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. आलोचना और विचारधारा नामवर सिंह –आशीष त्रिपाठी (संपा.), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. हिंदी आलोचना का दूसरा पाठ – निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : आलोचना के नए मानदंड –भवदेय पांडेय, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
12. हिंदी आलोचना का विकास – मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. सांस्कृतिक आलोचना और हजारीप्रसाद द्विवेदी –सं.रामकिशोर त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
14. भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
15. हिंदी समीक्षा और आचार्य शुक्ल नामवर सिंह – सं.ज्ञानेंनद्र कुमार संतोष, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. काव्य परिचय – राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, पुस्तक संस्थान 109/ 50–ए, नेहरूनगर, कानपुर
17. काव्यशास्त्र के मानदंड – रामनिवास गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. भारतीय काव्य विमर्श – राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
19. साहित्यालोचन के सिद्धांत – रवींद्र कुमार जैन, नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली
20. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धान्त और वाद – डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी
21. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत (द्वितीय भाग) – गोविंद त्रिगुणायत, एस चंद एंड कंपनी (प्रा.) लि. रामनगर, नई दिल्ली
22. काव्य के तत्व – आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
24. साहित्य विवेचन – क्षेमचंद्र 'सुमन', योगेंद्र कुमार मल्लिक, आत्माराम एंड संस, दिल्ली
25. साहित्य–विविधा – रमेशचंद्र लवानिया – अमित प्रकाशन,गाजियाबाद
26. हिन्दी ग़ज़ल और ग़ज़लकार –डॉ. मधु खराटे,साहित्य रत्नाकर,कानपुर
27. ग़ज़ल का काव्यशास्त्र–डॉ.महेश गुप्ता,साहित्य रत्नाकर,कानपुर

नमूना प्रश्न पत्र

Semester – VI | Course –VII

अवधि : 03:00 घंटे | पूर्णांक : 100

सूचना : 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. शब्द शक्ति का अर्थ समझाते हुए लक्षणा और व्यंजना शब्दशक्ति का सोदाहरण परिचय दीजिए। 20

अथवा

शब्द शक्ति की परिभाषा देते हुए उसके प्रमुख प्रकारों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

प्रश्न 2. रस की परिभाषा देते हुए उसके विभिन्न अवयवों का सोदाहरण परिचय दीजिए। 20

अथवा

रस की विभिन्न परिभाषाओं की चर्चा करते हुए करुण एवं शांत रस का सोदाहरण परिचय दीजिए।

प्रश्न 3. पाश्चात्य मान्यताओं के आधार पर कहानी के तत्त्वों की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

जीवनी का अर्थ समझाते हुए उसके प्रमुख तत्वों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4. अनुप्रास तथा श्लेष अलंकारों के लक्षण स्पष्ट करते हुए उनके उदाहरण लिखिए। 20

अथवा

दीपक तथा उत्प्रेक्षा अलंकारों के लक्षणों को समझाते हुए उनके उदाहरण लिखिए।

प्रश्न 5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 20

क) अभिधा शक्ति और उसका महत्व
ख) शृंगार रस
ग) उपन्यास के तत्व
घ) उपमा अलंकार लक्षण एवं उदाहरण

NAME OF PROGRAM	T. Y. B. A. (C.B.C.S.) VIII
NAME OF THE COURSE	T.Y.B.A. HINDI
SEMESTER	V
PAPER NAME	LINGUISTICS: HINDI LANGUAGE AND GRAMMAR भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा और व्याकरण
PAPER NO.	VIII
COURSE CODE	UAHIN–505
LACTURE	60
CREDITS & MARKS	CREDITS - 4 & MARKS - 100

भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा और व्याकरण

इकाई – I

- भाषा की परिभाषा और उसकी विशेषताएँ
- भाषा के विविध रूप
- भाषा परिवर्तन के प्रमुख कारण

इकाई – II

- भाषा विज्ञान : परिभाषा और उपयोगिता
- भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाओं का सामान्य परिचय –
  (ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान)

इकाई – III

- वर्ण विचार : उच्चारण की दृष्टि से हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण
- कारक के भेद एवं उसकी विभक्तियाँ
- संज्ञा : रूपांतर के आधार

इकाई – IV

- सर्वनाम : कारक रचना
- विशेषण : रूपांतर के आधार
- क्रिया : रूपांतर के आधार
  (वाच्य, काल, लिंग, पुरुष और वचन के आधार पर)

नमूना प्रश्न पत्र

Semester – V | Course –VIII

अवधि : 03:00 घंटे | पूर्णांक : 100

सूचना : 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. भाषा के विविध रूपों की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

भाषा परिवर्तन के प्रमुख कारणों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 2. भाषा विज्ञान की परिभाषा देते हुए उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

भाषा विज्ञान की प्रमुख शाखाओं का सामान्य परिचय दीजिए ।

प्रश्न 3. उच्चारण की दृष्टि से हिन्दी स्वर ध्वनियों के वर्गीकरण को सोदाहरण समझाइए। 20

अथवा

कारक के भेदों पर प्रकाश डालते हुए उसकी विभक्तियों को सोदाहरण लिखिए।

प्रश्न 4. सर्वनामों की कारक रचना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

क्रिया में होनेवाले रूपांतर को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. निम्न में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 20

क) परिनिष्ठित भाषा

ख) ध्वनि विज्ञान

ग) उच्चारण स्थान के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण

घ) वचन के आधार पर संज्ञा शब्दों में रूपांतर

NAME OF PROGRAM	T. Y. B. A. (C.B.C.S.) VIII
NAME OF THE COURSE	T.Y.B.A. HINDI
SEMESTER	VI
PAPER NAME	LINGUISTICS : HINDI LANGUAGE AND GRAMMAR भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा और व्याकरण
PAPER NO.	VIII
COURSE CODE	UAHIN–605
LACTURE	60
CREDITS & MARKS	CREDITS - 4 & MARKS - 100

भाषा विज्ञान : हिन्दी भाषा और व्याकरण

इकाई – I

- प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय –
  क) वैदिक संस्कृत, ख) लौकिक संस्कृत, ग) पालि, घ) प्राकृत, ङ) अपभ्रंश
- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय–
  क) सिन्धी, ख) मराठी, ग) पंजाबी, घ) गुजराती, ङ) बांग्ला

इकाई – II

- हिन्दी भाषा की उत्पत्ति और विकास
- हिन्दी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय –
  क) ब्रजभाषा, ख) अवधी, ग) भोजपुरी, घ) खड़ी बोली
- खड़ी बोली हिन्दी के विविध रूप –
  क) हिन्दी, ख) हिंदुस्तानी, ग) उर्दू , घ) दक्खिनी

इकाई – III

- हिन्दी का शब्द समूह
- देवनागरी लिपि : विशेषताएँ एवं महत्व
- संधि : अर्थ, स्वरूप तथा प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय

इकाई – IV

- वाक्य रचना –
  क) वाक्य की परिभाषा, अर्थ और रचना की दृष्टि से वाक्य के प्रकार
  ख) हिन्दी वाक्य रचना में अध्याहार और पदक्रम संबंधी सामान्य नियम
- समास : अर्थ, स्वरूप तथा प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. हिन्दी भाषा और लिपि – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
3. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. हिन्दी भाषा का इतिहास – डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा, दीप्ति शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण – श्यामचन्द्र कपूर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
7. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना – डॉ. संतोष चौधरी, कनक सक्सेना, आस्था प्रकाशन, जयपुर
8. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. हरिवंश तरुण, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
9. हिन्दी व्याकरण – पं. कामता प्रसाद गुरु, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी
10. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धान्त – डॉ. राम किशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
11. हिन्दी व्याकरण और रचना – वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
12. हिन्दी शब्दानुशासन – आचार्य किशोरीदास वाजपेयी, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
13. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. हिन्दी भाषा इतिहास और संरचना – डॉ. हरिश्चंद्र पाठक, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली
15. मानक हिन्दी व्याकरण – डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
17. हिन्दी संज्ञा सरंचना और कुछ नियम– डॉ. प्रीति सोहनी,साहित्य रत्नाकर,कानपुर
18. भारतीय साहित्य सिद्धान्त– डॉ. तारकनाथ बाली,किताब प्रकाशन,नई दिल्ली

नमूना प्रश्न पत्र

Semester – VI | Course –VIII

अवधि : 03:00 घंटे | पूर्णांक : 100

सूचना : 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. मध्यकालीन आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय दीजिए। 20

अथवा

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय दीजिए।

प्रश्न 2. हिन्दी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय दीजिए। 20

अथवा

खड़ी बोली हिन्दी के प्रमुख रूपों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 3. हिन्दी के शब्द समूह पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

देवनागरी लिपि की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 4. वाक्य की परिभाषा देते हुए अर्थ और रचना की दृष्टि से वाक्यों के प्रकार लिखिए। 20

अथवा

समास का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय दीजिए।

प्रश्न 5. निम्न में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 20

क) लौकिक संस्कृत

ख) ब्रजभाषा

ग) अध्याहार

घ) देवनागरी लिपि का महत्व

NAME OF PROGRAM	T. Y. B. A. (C.B.C.S.) XI
NAME OF THE COURSE	T.Y.B.A. HINDI
SEMESTER	V
PAPER NAME	IDEOLOGICAL BACKGROUND OF MODERN HINDI LITERATURE आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
PAPER NO.	IX
COURSE CODE	UAHIN–606
LACTURE	45
CREDITS & MARKS	CREDITS - 4 & MARKS - 80

आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

इकाई– I

- भारतीय नवजागरण आंदोलन और हिंदी साहित्य पर उसका प्रभाव
  (सामाजिक दृष्टि से होने वाले वैचारिक एवं व्यावहारिक बदलाव के विशेष संदर्भ में)
- भारतीय नवजागरण आंदोलन
  (ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज, रामकृष्ण मिशन, थियोसोफ़िकल सोसाइटी, सत्यशोधक समाज का सामान्य परिचय एवं मान्यताएँ)
- आर्य समाज के सामाजिक-दार्शनिक सिद्धांतों का हिंदी कविता एवं उपन्यास पर प्रभाव

इकाई– II

- गांधीवाद : सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धान्त
- गांधीवादी चिंतन का हिंदी कविता पर प्रभाव
- गांधीवादी चिंतन का हिंदी कथा साहित्य पर प्रभाव

इकाई– III

- मार्क्सवाद : सामान्य परिचय एवं प्रमुख सिद्धान्त
- मार्क्सवाद : हिंदी कविता और हिंदी कथा साहित्य पर प्रभाव
- मनोविश्लेषणवाद और हिन्दी कथा साहित्य

इकाई– IV

- राष्ट्रीय चेतना के विकास में हिंदी पत्र–पत्रिकाओं का योगदान
  (कविवचन सुधा, हरिश्चंद्र चन्द्रिका, भारतमित्र, आनंद कादंबिनी, सरस्वती, प्रभा,चांद, माधुरी और मतवाला के विशेष संदर्भ में)

सूचना: प्रकल्प – 20 अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

नमूना प्रश्न पत्र

Semester – V | Course – IX

अवधि : 02:30 घंटे | पूर्णांक : 80

सूचना : 1. अंतिम प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. शेष 4 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर लिखें।
3. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. ब्रह्म समाज तथा प्रार्थना समाज का सामान्य परिचय देते हुए उनकी मान्यताओं पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

आर्य समाज के सामाजिक एवं दार्शनिक सिद्धान्त का हिन्दी कविता पर हुए प्रभाव को रेखांकित कीजिए।

प्रश्न 2. गांधीवादी चिंतन के हिन्दी कविता पर हुए प्रभाव को सोदाहरण समझाइए। 20

अथवा

गांधीवादी चिंतन की हिन्दी उपन्यास में किस प्रकार अभिव्यक्ति हुई है? चर्चा कीजिए।

प्रश्न 3. मार्क्सवाद के हिन्दी कविता पर हुए प्रभाव को सोदाहरण लिखिए। 20

अथवा

मनोविश्लेषणवाद से प्रभावित हिन्दी कथा साहित्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4. राष्ट्रीय चेतना के विकास में 'सरस्वती' और 'मतवाला' पत्रिकाओं के योगदान को रेखांकित कीजिए। 20

अथवा

'हरिश्चंद्र चन्द्रिका' और 'चाँद' पत्रिकाओं ने राष्ट्रीय चेतना के विकास में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया हैं, स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 20

क) सत्यशोधक समाज
ख) गांधीवादी चिंतन का स्वरूप
ग) मार्क्सवाद का स्वरूप
घ) प्रभा पत्रिका

NAME OF PROGRAM	T. Y. B. A. (C.B.C.S.) IX
NAME OF THE COURSE	T.Y.B.A. HINDI
SEMESTER	VI
PAPER NAME	IDEOLOGICAL BACKGROUND OF MODERN HINDI LITERATURE आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
PAPER NO.	IX
COURSE CODE	UAHIN–606
LACTURE	45
CREDITS & MARKS	CREDITS - 4 & MARKS - 80

आधुनिक हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

इकाई– I

- स्त्री विमर्श : स्वरूप एवं मान्यताएं
- स्त्री चेतना का हिंदी कविता पर प्रभाव
- स्त्री चेतना का हिन्दी कथा साहित्य पर प्रभाव

इकाई– II

- दलित विमर्श : स्वरूप एवं मान्यताएं
- दलित चेतना का हिंदी कविता पर प्रभाव
- दलित चेतना का हिन्दी कथा साहित्य पर प्रभाव

इकाई– III

- आदिवासी विमर्श : हिन्दी कविता एवं कथा-साहित्य पर प्रभाव
- पर्यावरण विमर्श : हिन्दी कविता पर प्रभाव
- किन्नर विमर्श और हिन्दी कथा साहित्य

इकाई– IV

- स्वातंत्र्योत्तर जन चेतना और हिन्दी पत्र-पत्रिकाएँ
  (नवभारत, नईदुनिया, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, इंडियाटुडे, हंस,सारिका, दिनमान, साहित्य कुंज (ई-पत्रिका), समालोचन (ई-पत्रिका) के विशेष संदर्भ में)

सूचना: प्रकल्प – 20 अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. सृजन का अंतर्पाठ उत्तर आधुनिक विमर्श – कृष्णदत्त पालीवाल, सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अम्बेडकर संचयन (२खंड) संकलन \सम्पादन रामजी यादव – सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली
3. ज्योतिबा फुले संचयन संकलन\सम्पादन रामजी यादव – सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आदिवासी लेखन : एक उभरती चेतना, रमणिका गुप्ता – सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आदिवासी समाज और साहित्य – रमणिका गुप्ता, सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी दलित साहित्य : एक मूल्यांकन – प्रमोद कोवप्रत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. दलित दर्शन की वैचारिकी – बी. आर. विप्लवी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. समकालीन आलोचना विमर्श – अवधेश सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. मार्क्सवाद और साहित्य – शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन – शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. समकालीन हिंदी साहित्य : विविध विमर्श – प्रो. श्रीराम शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
12. सत्य के साथ मेरे प्रयोग – महात्मा गाँधी, प्रकाशन नई दिल्ली
13. गाँधी जी की देन – डॉ. राजेंद्र प्रसाद, प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली
14. महिला सशक्तिकरण : दशा और दिशा – योगेंद्र शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. स्त्री अलक्षित – श्रीकांत यादव, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली
16. नारी चेतना के आयाम – अलका प्रसाद, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली
17. स्वाधीनता का स्त्री पक्ष – अनामिका, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली
18. स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ – रेखा कस्तवार, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली
19. आधुनिक हिंदी कथा साहित्य और मनोविज्ञान – डॉ. देवराज उपाध्याय
20. प्रगतिवादी समीक्षक और डॉ. रामविलस शर्मा – डॉ. मोहसिन ख़ान, लेखनी प्रकाशन, दिल्ली
23. थर्ड जेंडर विमर्श – शरद सिंह (संपा), विकास प्रकाशन, कानपुर
24. थर्ड जेंडर : कथा आलोचना – डॉ. फ़ीरोज़ (संपा.), विकास प्रकाशन, कानपुर
25. किन्नर विमर्श : दशा और दिशा – डॉ. विनय कुमार पाठक विकास प्रकाशन, कानपुर
26. भारतीय समाज में किन्नरों का यथार्थ – आशीष कुमार (संपा.), विकास प्रकाशन, कानपुर
27. किन्नर विमर्श : साहित्य के आईने में – डॉ. इक़रार अहमद, विकास प्रकाशन, कानपुर
28. थर्ड जेंडर : अतीत और वर्तमान – डॉ. फ़ीरोज़ (संपा.), विकास प्रकाशन, कानपुर
29. थर्ड जेंडर और साहित्य – डॉ. फ़ीरोज़ (संपा.), विकास प्रकाशन, कानपुर
30. सिनेमा की निगाह में थर्ड जेंडर – डॉ. फ़ीरोज़ (संपा.), विकास प्रकाशन, कानपुर
31.सत्य के प्रयोग –मोहनदास करमचंद गांधी, प्रकाशन संस्थान,नई दिल्ली
32. गांधी की भूमि से – राजकिशोर, प्रकाशन संस्थान,नई दिल्ली
33. आदिवासी संगर्ष गाथा –विनोद कुमार, प्रकाशन संस्थान,नई दिल्ली
34. स्त्रीवादी विमर्श–क्षमा शर्मा,राजकमल प्रकाशन,दिल्ली
35. गांधीवाद और हिन्दी काव्य – भक्त राम शर्मा,किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

36.आदिवासी केन्द्रित हिन्दी साहित्य– डॉ. उषा किर्ती राणावत,शैलजा प्रकाशन,कानपुर
37. समकालीन हिन्दी साहित्य में पर्यावरण विमर्श–डॉ. सुमेश,अमन प्रकाशन,कानपुर
38. हिन्दी साहित्य में आदिवासी विमर्श–डॉ. पं. बन्ने,अमन प्रकाशन,कानपुर
39. भारतीय साहित्य में पर्यावरण संरक्षण–डॉ. सुमन सिंह,रोशनी पब्लिकेशन,कानपुर
40. आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्टभूमि–सं. प्रवीण चंद्र बिस्ट
41. दलित साहित्य की दशा –दिशा–कार्तिक चौधरी,अप्रअधिकरण प्रकाशन,दिल्ली
42. बीसवीं सदी की अंतिम द्विदशक की हिंदी कहानी में दलित जीवन -डॉ. गौतम सोनकांबळे, साहित्य संस्थान,दिल्ली
43. ऊर्जा संकट और हमारा भविष्य–गुणाकर मुले, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
44. पर्यावरण शिक्षा– सुधा सिंह,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
45. वायुमंडलीय प्रदूषण–हरिनारायण श्रीवास्तव,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
46. लोक आस्था और पर्यावरण–पंकज चतुर्वेदी,परिकल्पना प्रकाशन, दिल्ली
47. स्त्री अस्मिता और समकालीन साहित्य– डॉ. अनिल सिंह,न्यूमैन,पब्लिकेन,परभणी
48. हिन्दी साहित्य में आदिवासी एवं स्त्री विमर्श – डॉ.सविता चौधरी,साहित्य रत्नाकर,कानपुर
49. हिन्दी साहित्य में नारी अस्मिता के विविध रूप –डॉ. सुमन सिंह, साहित्य रत्नाकर,कानपुर
50. हिन्दी दलित कहानी : विविध आयाम–डॉ. नारायण,साहित्य रत्नाकर,कानपुर

नमूना प्रश्न पत्र

Semester – VI | Course – IX

अवधि : 02:30 घंटे | पूर्णांक : 80

सूचना : 1. अंतिम प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. शेष 4 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर लिखें।
3. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. स्त्री चेतना ने हिन्दी कथा साहित्य को किस प्रकार प्रभावित किया है, स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

स्त्री चेतना से हिन्दी कविता किस प्रकार प्रभावित हुई है, स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. दलित चेतना के हिन्दी कविता पर हुए प्रभाव को सोदाहरण समझाइए। 20

अथवा

दलित चेतना के हिन्दी कथा साहित्य पर हुए प्रभाव को दर्शाइए।

प्रश्न 3. समकालीन हिन्दी उपन्यासों में आदिवासी विमर्श की अभिव्यक्ति किस प्रकार हुई है, स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

समकालीन किन्नर केन्द्रित कथा साहित्य में किन्नर-जीवन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4. 'हंस' में स्वातंत्र्योत्तर जन-चेतना को किस प्रकार वाणी मिली है, स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

'समालोचन' (ई-पत्रिका) तथा 'साहित्य कुंज'(ई-पत्रिका) ने स्वातंत्र्योत्तर जन-चेतना को अभिव्यक्त करने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है, स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 20

क) स्त्री विमर्श के संदर्भ
ख) दलित चेतना का स्वरूप
ग) पर्यावरण विमर्श और हिन्दी कविता
घ) नवभारत

NAME OF PROGRAM	T. Y. B. A. (C.B.C.S.) IX
NAME OF THE COURSE	T.Y.B.A. HINDI
SEMESTER	V
PAPER NAME	MASS MEDIA, संचार माध्यम
PAPER NO.	IX
COURSE CODE	UAHIN–506
LACTURE	45
CREDITS & MARKS	CREDITS - 4 & MARKS - 80

संचार माध्यम

इकाई– I जनसंचार माध्यम–

- जनसंचार : अर्थ, परिभाषा, अवधारणा एवं स्वरूप
- जनसंचार : तत्त्व एवं विशेषताएँ
- जनसंचार : प्रक्रिया, उपयोगिता, महत्व एवं बदलता स्वरूप

इकाई– II मुद्रण कला सामान्य परिचय–

- मुद्रण कला का अर्थ एवं स्वरूप एवं विशेषताएँ
- मुद्रण कला का इतिहास एवं विकास
- प्रूफ़ शोधन : अर्थ, स्वरूप, प्रूफ़ शोधक के गुण एवं कर्तव्य

इकाई– III इलेक्ट्रॉनिक दृश्य, श्रव्य जनसंचार माध्यम–

- रेडियो : अवधारणा, विकास, कार्यक्रम एवं उद्घोषक के गुण–कर्तव्य
- सिनेमा : स्वरूप, विकास एवं पटकथा लेखन
- टेलीविज़न : स्वरूप, विकास एवं धारावाहिक लेखन

इकाई– IV अत्याधुनिक जनसंचार माध्यम : उपयोग एवं दिशाएँ–

- वेब पत्रकारिता अवधारणा एवं विशेषताएँ
- वेब पत्रकारिता तकनीक, उपयोगिता एवं भविष्य
- प्रमुख वेब संस्करण : समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियो एवं समाचार चैनल

सूचना: प्रकल्प – 20 अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

नमूना प्रश्न पत्र

Semester – VI | Course – IX

अवधि : 02:30 घंटे | पूर्णांक : 80

सूचना : 1. अंतिम प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. शेष 4 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर लिखें।
3. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. जनसंचार की अवधारणा एवं स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

जनसंचार की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. मुद्रण कला का अर्थ एवं स्वरूप एवं विशेषताएँ स्पष्ट करें। 20

अथवा

प्रूफ़ शोधक के गुण एवं कर्तव्य स्पष्ट करें।

प्रश्न 3. सिनेमा का स्वरूप और विकास दर्शाएँ। 20

अथवा

रेडियो उद्घोषक के गुण–कर्तव्य स्पष्ट करें।

प्रश्न 4. वेब पत्रकारिता अवधारणा एवं विशेषताएँ लिखिए। 20

अथवा

वेब पत्रकारिता तकनीक, उपयोगिता दर्शाइए।

प्रश्न 5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 20

क) जनसंचार के तत्त्व

ख) मुद्रण कला की विशेषताएँ

ग) धारावाहिक लेखन

घ) वेब संस्करण समाचार पत्र

NAME OF PROGRAM	T. Y. B. A. (C.B.C.S.) IX
NAME OF THE COURSE	T.Y.B.A. HINDI
SEMESTER	VI
PAPER NAME	MASS MEDIA, संचार माध्यम
PAPER NO.	IX
COURSE CODE	UAHIN–606
LACTURE	45
CREDITS & MARKS	CREDITS - 4 & MARKS - 80

संचार माध्यम

इकाई– I जनसम्पर्क–

- जनसम्पर्क : अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य और महत्व
- जनसम्पर्क : उद्भव, विकास, क्षेत्र एवं साधन
- जनसम्पर्क : संभावनाएँ और चुनौतियाँ

इकाई– II विज्ञापन–

- विज्ञापन : अर्थ परिभाषा, स्वरूप, महत्व और विशेषताएँ
- विज्ञापन : उद्देश्य, प्रकार और सामाजिक उपयोगिता
- विज्ञापन : उपभोक्ता, एजेंसियाँ, नैतिकता और क़ानून

इकाई– III वृत्तचित्र और लघुफ़िल्म–

- वृत्तचित्र : अर्थ एवं स्वरूप, सामान्य परिचय, महत्व एवं उपयोगिता
- लघुफ़िल्म : अर्थ एवं स्वरूप, सामान्य परिचय, महत्व एवं उपयोगिता
- वृत्तचित्र एवं लघुफ़िल्म के उद्देश्य और प्रकार

इकाई– IV मीडिया : सरोकार एवं अंतर्संबंध–

- मीडिया : सामाजिक मुद्दे और समस्याएँ
- मीडिया : उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय विकास
- मीडिया : आचार संहिता और बाज़ारवाद

सूचना: प्रकल्प – 20 अंक

(पाठ्यक्रम से संबंधित किसी भी विषय पर 15 से 20 पृष्ठों का प्रकल्प तैयार करना अपेक्षित है।)

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र – रवीन्द्र शुक्ल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. सूचना प्रौद्योगिकी और जन-माध्यम – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सोशल मीडिया में साहित्य का बदलता स्वरूप –आरती सिंह, डॉ. विभा ठाकुर (सं.), स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मीडिया लेखन – सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. मीडिया लेखन कला – निशांत सिंह, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
6. आधुनिक जन–संचार और हिन्दी – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
7. मीडिया और हिन्दी भाषा का स्वरूप – डॉ. मनीष गोहिल, साधना प्रकाशन, कानपुर
8. मीडिया कालीन हिन्दी स्वरूप एवं संभावनाएँ – डॉ. अर्जुन चव्हाण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. कंप्यूटर और हिन्दी – प्रो. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली
10. दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी – डी. डी. ओझा, सत्यप्रकाश, ज्ञान गंगा प्रकाशन, दिल्ली
11. जनसंचार का समाजशास्त्र – लक्ष्मेंद्र चोपड़ा, आधार प्रकाशन, पंचकुला
12. जनसंचार एवं समाज – डॉ. मोनिका नागोरी, अंकुर प्रकाशन, उदयपुर
13. संचार से जनसंचार और जनसम्पर्क तक – बलवीर कुंदरा, के. के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली
14. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सायबर पत्रकारिता – राकेश कुमार, श्री. नटराज प्रकाशन, दिल्ली
15. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी – सं. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. समकालीन भारत एवं जनसंचार माध्यम – डॉ. सुधीर सोनी, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर
17. जनसंचार माध्यम भाषा और साहित्य – सुधीश पचौरी, श्री. नटराज प्रकाशन, नई दिल्ली
18. इंटरनेट पत्रकारिता – सुदेश कुमार, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली
19. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया लेखन – डॉ. हरीश अरोड़ा, के. के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली
20. मीडिया और साहित्य – डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह, साहित्य रत्नाकर, कानपुर
21. मीडिया के बदलते तेवर – अनामीशरण बबल, नटराज प्रकाशन, दिल्ली
22. वेब पत्रकारिता – श्याम माथुर, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
23. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी – चन्द्र कुमार, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली
24. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया – डॉ. सुधीर सोनी, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर
25. विकास संचार एवं नयी सूचना प्रौद्योगिकी – डॉ. सुधीर सोनी, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर
26. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता – डॉ. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
27. हिन्दी ब्लॉगिंग स्वरूप,व्याप्ति और संभावनाएं–सं. डॉ.मनीष कुमार,युवा साहित्य चेतना मण्डल, नई दिल्ली
28. भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में साहित्य,सम्माज,संस्कृति और भाषा–सं.डॉ. प्रदीपकुमार सिंह
29. वेब पत्रकारिता– सं.हंसराज सुमन, नटराज प्रकाशन, दिल्ली
30. जनसंचार,जनसम्पर्क एवं विज्ञापन–डॉ. सुजाता वर्मा,साहित्य रत्नाकर,कानपुर

नमूना प्रश्न पत्र

Semester – VI | Course – IX

अवधि : 02:30 घंटे | पूर्णांक : 80

सूचना : 1. अंतिम प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. शेष 4 प्रश्नों में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर लिखें।
3. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. जनसम्पर्क का अर्थ, परिभाषा और महत्व दर्शाइए। 20

अथवा

जनसम्पर्क की संभावनाएँ और चुनौतियों को समझाइए।

प्रश्न 2. विज्ञापन की परिभाषा एवं स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

विज्ञापन और क़ानून का सामान्य परिचय दीजिए।

प्रश्न 3. वृत्तचित्र का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

लघु फ़िल्मों की उपयोगिता एवं महत्त्व पर प्रकाश डालिए

प्रश्न 4. मीडिया और सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

मीडिया के उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय विकास के विषय में स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए। 20

क) जनसम्पर्क के साधन

ख) विज्ञापन की सामाजिक उपयोगिता

ग) वृत्तचित्र के प्रकार

घ) लघुफ़िल्म का उद्देश्य